www.vidarbhswabhiman.com

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 8 से 14 जनवरी 2026 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 34 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

ज़ीवन में प्रेम से बड़ी ताकत और अहंकार से बड़ा दुश्मन नहीं हो सकता है. किसी के साथ जो व्यक्ति छल नहीं करता है, वह किसी भी मुसीबत से सुरक्षित बाहर निकल आता है. लेकिन जो किसी के साथ छल करता है, वह आज नहीं तो कल शिकार होता है. इसलिए परमात्मा के जीवन को निर्मल रखकर प्रेम बढ़ाओ और अहंकार को छोड़कर सभी से घुलमिलकर रहना सीख लो.

चिरैया को लौटाने के लिए लगा दिया 15 हजार बाक्स

चेन्नई- समय के साथ पर्यावरण को मानव गंभीरता से नहीं ले रहा है, यही कारण है कि कई प्रकार की समस्याओं से जूझना पड़ रहा है. लेकिन कुछ लोग आज भी प्रकृ़ त के महत्व को समझते हैं और इसे बनाए रखने में अपना योगदान देकर आदर्श स्थापित करते हैं. चेन्नई के पक्षी प्रेमी के, गणेशन ने कभी नहीं सोचा था कि उनकी एक छोटी सी सोच हजारों गौरैया को नया घर दे देंगी. उन्होंने एक साल पहले चेन्नई में गौरैया संरक्षण के लिए 'कूडुगल नेस्ट' नाम से एक ट्रस्ट शुरू किया था. इसका मकसद था शहरों से गायब होती गौरैया को फिर से लौटाना और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना.उनके प्रयासों को सफलता भी मिली. उन्होंने करीब 15 हजार नेस्ट बॉक्स बच्चों को बांटे. आज 10 जिलों में बच्चे इससे जुड़े हैं. नॉर्थ चेन्नई में गौरैया की संख्या करीब 30 फीसदी बढ़कर 12 हजार से ज्यादा हो चुकी है.

मरीजों को सहारा देगा जीवन क्रिटिकल

सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन की पहल, मरीजों को देगी सहारा और हिम्मत

विदर्भ स्वाभिमान, 7 जनवरी

मुंबई- रिलायंस परिवार केवल उद्योग क्षेत्र ही नहीं बल्कि सेवाभाव के क्षेत्र में भी अग्रणी है. करोड़ों रूपए के सामाजिक उपक्रम के साथ ही मानव ही नहीं तो पशु-पक्षियों के कल्याण पर भी खर्च किया जाता है. सर एच. एन. रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल में जीवन क्रिटिकल केयर यूनिट सिर्फ़ इलाज के लिए नहीं है, बल्कि मरीज़ों को सहारा और उम्मीद देने के लिए भी है. अपने पिता की याद में, नीता अंबानी ने आम आदमी को सस्ती, अच्छी और इंसानी हेल्थकेयर देने की कोशिश में यह यूनिट शुरू की है.नीता अंबानी ने मुंबई के सर एच. एन. रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल में जीवन नाम की एक नई मेडिकल

यूनिट का उद्घाटन किया. यह इवेंट सिर्फ़ एक फॉर्मैलिटी नहीं थी, बल्कि परिवार के लिए एक इमोशनल पल था. इस मौके पर उनकी बहन पूर्णिमा दलाल और मां ममता दलाल मौजूद थीं. मुकेश अंबानी और परिवार के दूसरे सदस्य भी मौजूद थे. इसके पीछे मकसद यह है कि नई यूनिट के ज़रिए ज़्यादा से ज़्यादा मरीज़ों को बेहतर इलाज, देखभाल और उम्मीद मिले. इस पहल से यह भावना साफ़ तौर पर ज़ाहिर होती है कि हर ज़िंदगी कीमती है.

यह नया सेक्शन नीता अंबानी के स्वर्गीय पिता रविंद्रभाई दलाल की प्यारी यादों को समर्पित है. उद्घाटन के मौके पर नीता अंबानी ने भावुक लहजे में कहा- 'ज़िंदगी एक बेटी का अपने पिता के प्रति समर्पण है. पापा ने हमेशा मुझे सिखाया कि सेवा ही सच्ची पूजा है. इन शब्दों से साफ पता चलता है कि इस पहल के पीछे उनके पिता का प्यार, आभार और सीख कितनी गहरी है. बेटियों में किस तरह माता-पिता को लेकर अपार प्रेम होता है, इसका उदाहरण यह हास्पिटल होगा. नीता अंबानी की पहल सराहनीय है.

महापालिका चुनाव में इस बार संभ्रम की स्थिति, सभी भिड़े

विदर्भ स्वाभिमान, 7 जनवरी

अमरावती- इस बार का मनपा चुनाव पूर्व चुनावों की तुलना में काफी पेचीदा दिखाई दे रहा है. सत्ता में सहयोगी पार्टियां मैत्री लड़ाई लड़ रही हैं, यह शब्द भी हास्यास्पदक बन गया है. या तो मैत्री या फिर लड़ाई. ऐसे में महानगर पालिका के चुनावी नतीजे चौकाने वाले हो सकते हैं. यह संतोष की बात है कि इस बार महानगर पालिका चुनाव में युवाओं की संख्या सबसे अधिक है. महानगर पालिका चुनाव को लेकर जबर्दस्त उत्साह के बीच शहर में बनने वाली स्थानीय सरकार को लेकर भाजपा, कांग्रेस,राकांपा, युवा स्वाभिमान पार्टी प्रयासरत है, वहीं कई प्रभागों में वोटों का विभाजन करने के लिए अलग-अलग रणनीति काम कर रही है. शहर के गड़गड़ेश्वर प्रभाग में राकांपा के डॉ.अजय बोंडे के साथ ही पैनल

चुनाव प्रचार में आगे निकल गया है, वहीं युवा स्वाभिमान के राजा बागडे तथा पैनल, भाजपा की सुनंदा खरड तथा पैनल के साथ ही शिवसेना के राहुल माटोडे तथा अन्य पैनलों द्वारा धुआंधार प्रचार किया जा रहा है. पूरे शहर में चुनाव को लेकर गहमा गहमी है लेकिन भाजपा सहित कौन बाजी मारेगा, यह कोई नहीं कह सकता.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

लाखों का खर्च पानी में जाने के लिए कौन जिम्मेदार

लोगों को शुद्ध हवा मिले, बच्चों को खेलने के लिए बेहतरीन स्थान मिले, इसके लिए महानगर में मनपा बगीचे विकसित किये जाते हैं. लाखों रूपए का खर्च इन पर किया जाता है. लेकिन शहर के बगीचों पर अगर नजर दौड़ाई जाए तो उनकी बदहाली कई सवाल पैदा करती है. साथ ही जनता केपैसे की किस तरह कदर नहीं होती है, इसका जिवंत उदाहरण है. किसी समय शहर कीशान बनने वाला प्रशांत नगर का बगीचा देखकर इसका सहजता से अनुमान लगाया जा सकता है. जो बगीचे हैं कि सालभर लाखों रूपए खर्च होने के बाद भी अनगिनत समस्याओं से जूझने के कारण कई सवाल पैदा होते हैं. लाखों रूपए कीनिधि खर्च करने के बाद भी अगर यह स्थिति है तो इन्हें बनाया ही क्यों जाता है, इस पर सोचने की जरूरत है. विदर्भ में पर्यटन की अपार संभावना है लेकिन अपने अहंकार में मस्त रहकर एक-दूसरे को निपटाने की भाषा में रहने वाले नेताओं को भला विकास के लिए सोचने की कहां फुर्सत है. दुर्भाग्य है कि बाकी क्षेत्रों के नेता क्षेत्र को विकास में अग्रणी रखने के लिए सरकार से लड़ रहे हैं और अमरावती जिले के नेता अपने अहंकार के लिए लड़ने का अनुभव है. उम्मीद है कि मनपा चुनाव में ऐसे अहंकारी नेताओं को उनकी जगह दिखाने का काम जनता करेगी. मेलघाट का एकमात्र हिल स्टेशन चिखलदरा प्राकृतिक सौंदर्य, ठंडी जलवायु और घने जंगलों के कारण एक प्रमुख पर्यटन केंद्र बनने की पूरी क्षमता रखता है. यदि बुनियादी सुविधाओं, सड़क संपर्क, ठहरने की व्यवस्था और प्रचार-प्रसार पर ध्यान दिया जाए तो चिखलदरा देश विदेश के पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है. पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि पर्यटन के विकास से स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी. प्रशासन और पर्यटन विभाग द्वारा योजनाबद्ध प्रयास किए गए तो चिखलदरा आने वाले समय में विदर्भ का प्रमख पर्यटन केंद्र बन सकता है.पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय लोगों को रोजगार देने के उद्देश्य से सापन डैम के पास बनाया गया गार्डन और वॉटर स्पोर्ट प्रोजेक्ट आज बदहाली का शिकार है. करीब 5 वर्ष पूर्व 70 लाख रुपये खर्च कर बच्चों के लिए गार्डन, महंगे खेल उपकरण और जलक्रीड़ा के लिए नावें खरीदी गईं, लेकिन एक भी दिन इसका नियमित उपयोग नहीं हो सका. परियोजना पूरी होने के बाद इसके संचालन, सुरक्षा और प्रबंधन की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई. न चौकीदार नियुक्त हुआ, न ही किसी एजेंसी ने इसे किराये पर चलाने में रुचि दिखाई. नेताओं को अपने अहंकार की बजाय जिले के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देना चाहिए.

अच्छों को मौका देंगे तब अच्छा होगा

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

हमारे महान संविधान ने मतदाताओं को राजा कहा है लेकिन कई बार राजा द्वारा की जाने वाली गलती का खामियाजा पूरी जनता को भुगतना पड़ता है, वैसे ही चुनाव के दौरान मतदाता राजा की गलती ग्राम पंचायत से लेकर देश को भुगतनी पड़ती है. चुनाव में मतदान को लेकर गंभीरता की कमी ही चोर-डकैतों को जनप्रतिनिधि बनाती है, जिस पुलिस को पहले उन्हें आरोपी के रूप में खोजने की मजबूरी होती है, अब चुनकर आने के बाद उन्हें सुरक्षा देने की मजबूरी होती है. अच्छे लोगों का चयन सदा अच्छा करता है. स्वार्थ से एक दिन लाभ प्राप्त करने के बाद पांच साल तक भुगतने की नौबत नहीं आए, इसका मतदाताओं को ख्याल रखना चाहिए.शतप्रतिशत मतदान का लक्ष्य मतदाता रखें , ताकि अच्छे लोगों को मौका मिले.

चुनाव के दौरान कई बार मीडिया की भी भूमिका स्पष्ट नहीं रहने से कोई इंकार नहीं कर सकता है. लेकिन जो दिखता है, वही बिकता है का सिद्धांत सभी पर लागू रहता है. इसके बावजूद मीडिया द्वारा सरसरी तौर पर एबी फॉर्म शब्द का प्रयोग इस तरह किया जाता है, मानो वह कोई रहस्यमय, गुप्त और सत्ता हथियाने का अस्त्र हो. यह चित्रण न केवल गलत है, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बारे में भ्रम पैदा करने वाला भी है.एबी फार्म को लेकर इस बार जिस तरह का संभ्रम पैदा किया गया, वह भी हैरत वाली बात ही. भारतीय चनाव प्रणाली में उम्मीदवार की असली पहचान उसका नाम नहीं, बल्कि उसका चुनाव चिन्ह होता है. मतदाता वोट देते समय नाम पढ़कर नहीं, बल्कि चिन्ह के सामने का बटन दबाकर मतदान करता है. साक्षरता का स्तर, ग्रामीण यथार्थ और सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए चनाव चिन्ह ही चुनाव प्रक्रिया का केंद्रबिंद है. इसलिए आरक्षित चनाव चिन्ह किसे मिलेगा यह प्रश्न केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सीधे-सीधे राजनीतिक सत्ता की गणना से जुड़ा हुआ है. यहीं पर ए और बी या उनके समतुल्य फॉर्मों का महत्व बढ़ता है.निर्दलीय उम्मीदवारों, स्थानीय गठबंधनों या गैर-पंजीकृत संगठनों के उम्मीदवारों से इन फॉर्मों का कोई संबंध नहीं होता. फिर भी मीडिया चर्चाओं में ऐसा भ्रम पैदा किया जाता है, मानो सभी उम्मीदवार एबी फॉर्म के सहारे ही खड़े हों.

आज के दौर में राजनीतिक दलों का केंद्रीकरण, नेतृत्व की मजबूत पकड़ और आधिकारिक उम्मीदवारी प्राप्त करने की प्रतिस्पर्धा अत्यधिक बढ़ गई है.पार्टी की उम्मीदवारी का अर्थ केवल चुनाव चिन्ह पाना नहीं, बल्कि संसाधन, संगठन, प्रचार तंत्र और संभावित सत्ता की कुंजी भी है. पार्टी की टिकट मिलने पर उम्मीदवार को पारंपरिक वोट-बैंक, स्टार प्रचारक, पार्टी मशीनरी और तैयार कार्यकर्ता मिल जाते हैं. इसलिए ए और बी या उनके समकक्ष फॉर्मों को पाने के लिए दलों के भीतर संघर्ष, दबाव-तकनीक, लॉबिंग और दौड़-भाग होना आश्चर्यजनक नहीं है.लेकिन इस प्रक्रिया का रोमानीकरण, नाटकीकरण और सनसनीखेज प्रस्तुतीकरण करना यह मीडिया का लोकतांत्रिक दायित्व नहीं है. जानकारी देने के बजाय अफवाह फैलाना, शब्दावली का गलत प्रयोग करना और अधूरे ज्ञान के आधार पर विस्फोटक सुर्खियाँ बनाना यह मीडिया की विश्वसनीयता को नुकसान पहुँचाता है.भारतीय चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बेहतरीन पहल की जाती है. लेकिन चोरी करने वाले को बचने के तरीके भी इजाद किये जाते हैं. वैसे ही आदर्श चुनावी आचार संहिता केबाद भी कई दिक्कतें पैदा होती हैं.चुनाव की गंभीरता को समझते हुए अच्छे और नैतिकता का पालन करने वाले उम्मीदवारों को चुनने पर निश्चित ही शहरका भला होगा. इसका फैसला मतदाता राजा को करना होगा.पांच साल में मिला यह मौका शहर विकास का इतिहास रचे, यह सोचकर मतदान करना चाहिए.

देशभर में मनाई जाती है मकर संक्रांति

14 जनवरी को पर्व पर विशेष

मकर संक्रान्ति (मकर संक्रांति) भारत के प्रमुख पर्वों में से एक है. मकर संक्रांति (संक्रान्ति) पूरे भारत और नेपाल में भिन्न रूपों में मनाया जाता है. पौष मास में जिस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है उस दिन इस पर्व को मनाया जाता है. वर्तमान शताब्दी में यह त्योहार जनवरी माह के चौदहवें या पन्द्रहवें दिन ही पड़ता है, इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करता है. तमिलनाडु में इसे पोंगल नामक उत्सव के रूप में जाना जाता हैं जबकि कर्नाटक, केरल तथा आंध्र प्रदेश में इसे केवल संक्रांति ही कहते हैं. बिहार के कुछ जिलों में यह पर्व 'तिला संक्रांत' नाम से भी प्रसिद्ध है. मकर संक्रान्ति पर्व को कहीं-कहीं उत्तरायण भी कहते हैं. 14 जनवरी के बाद से सूर्य उत्तर दिशा की ओर अग्रसर (जाता हुआ) होता है. इसी कारण इस पर्व को 'उतरायण' (सूर्य उत्तर की ओर) भी कहते है. वैज्ञानिक तौर पर इसका मुख्य कारण पृथ्वी का निरंतर 6 महीनों के समय अवधि के उपरांत उत्तर से दक्षिण की ओर वलन कर लेना होता है. और यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है.देश में यह पर्व अलग-अलग नामों से अलग-अलग राज्यों में मनाया जाता है. विश्व में भी जहां भी भारतीय रहते हैं, वहां यह पर्व मनाया जाता है. महाराष्ट्र में तिलगुड़ खा-गोड़-गोड बोला कहकर मीठा तिलगुण दिया जाता है.मकर संक्रान्ति के अवसर पर तिलगुड़ खाने-खिलाने की परम्परा है.यह भारतवर्ष तथा नेपाल के सभी प्रांतों (प्रान्तों) में अलग-अलग नाम व भांति-भांति के रीति-रिवाजों द्वारा भक्ति एवं उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया जाता है.

मकर संक्रांति (संक्रान्ति) : छत्तीसगढ़, गोआ, ओड़ीसा, हरियाणा, बिहार, झारखण्ड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, राजस्थान, सिक्किम, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, पश्चिम बंगाल, गुजरात और जम्मू, ताइ पोंगल, उझवर तिरुनल : तमिलनाडु,उत्तरायण : गुजरात, उत्तराखण्ड,माघी संगरांद : जम्मू शिशुर संक्रात : कश्मीर घाटी माघी : हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब भोगाली बिहु : असमखिचड़ी : उत्तर प्रदेश और पश्चिमी बिहार में मनाई जाती है.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

समाजसेवी सुदर्शन गांग को दर्पणकार बालशास्त्री जांभेकर पुरस्कार

शिर्डी में समारोह में नवाजा, मानव सेवार्थ महाराष्ट्र भूषण सहित कई पुरस्कारों से पूर्व में भी हुए हैं सम्मानित

विदर्भ स्वाभिमान,7 जनवरी

अमरावती- भारतीय जैन संगठन के ट्रस्टी सहित कई समाजसेवी संगठनों से जुड़े सुदर्शन गांग को पत्रकारिता क्षेत्र में उल्लेखनीय सहयोग के लिए इंटरनेशनल अचीवर्स अवार्ड 2026 द्वारा शिर्डी में 6 जनवरी को हुए समारोह में दर्पणकार बालशास्त्री जांभेकर पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया. इस मौके पर एसोसिएशन के डॉ. मकरंद देशपांडे,साईबाबा संस्थान के सीईओ गोरक्ष गाड़ीलकर,जिला सूचना अधिकारी पाटील सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में सुदर्शनजी गांग को सम्मानित किया गया.

व्यवसाय में सफलता के साथ-साथ समाजसेवा को जीवन का मार्ग मानने वाले सुदर्शन गांग ने पिछले कई दशकों से विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक और मानवतावादी पहलों के माध्यम से समाज में आदर्श स्थापित किया है. उन्होंने पिछड़े वर्गों के लिए सहायता, आदिवासी और जरूरतमंद छात्रों की शिक्षा, अन्नदान, जल संरक्षण, गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण और आपदा के समय राहत कार्य जैसे अनेक क्षे[त्रों में] महत्वपूर्ण योगदान दिय[ा] उनके उल्लेखनीय कार्यों [के] चलते उन्हें जिला से ले[कर] राष्ट्रीय स्तर पर अभी [तक] कई पुरस्कार देकर सम्मानि[त] किया गया है.

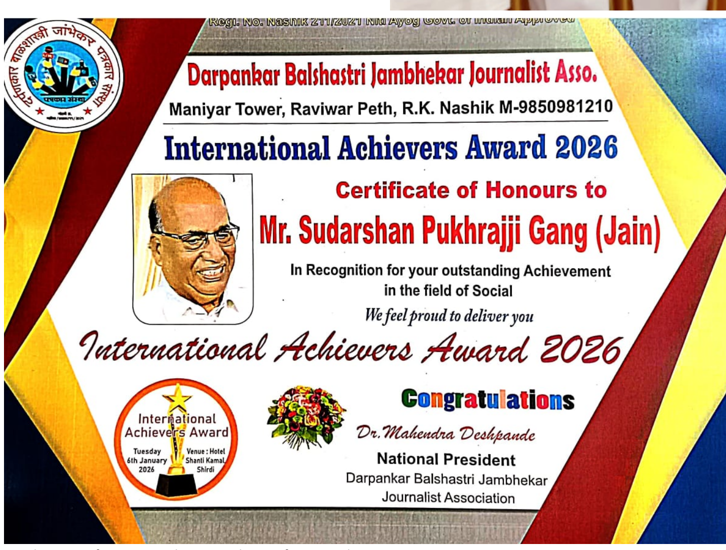

इस बारे में बात क[रते] हुए प्रदीप जैन ने कहा [कि] सुदर्शन गांग केवल सफ[ल] व्यवसायी नहीं हैं, बल्कि मानवता, ईमानदारी औ[र] समाज के प्रति जागरूकत[ा] रखने वाले व्यक्तित्व हैं. व्यवसाय और समाजसेवा दोनों क्षेत्रों में उन्होंने आदर्श स्थापित किया है.भारतीय जैन संगठन में उन्होंने गांव सचिव से लेकर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तक विभिन्न पदों पर सफलता पूर्वक कार्य किया और संगठनात्मक कार्य में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया. सहकारी बैंकिंग क्षेत्र में नेतृत्व करते हुए संस्थाओं की प्रगति में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है.सुदर्शन गांग पहले भी कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं इनमें प्रतिष्ठित बीजेएस रत्न पुरस्कार,महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार, समाज गौरव पुरस्कार,अहिंसा अवॉर्ड,भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर उद्यमी सेवा पुरस्कार सहित अन्य पुरस्कारों का समावेश है. पत्रकार दिवस पर उन्हें प्राप्त दर्पनकार बालशास्त्री जांभेकर पुरस्कार उनके दीर्घकालीन समाजोपयोगी कार्य का प्रतीक है और अमरावती सहित पूरे राज्य के लिए यह गर्व की बात मानी जा रही है. इस पुरस्कार प्राप्ती पर उनका सर्वत्र अभिनंदन किया जा रहा है.

अमरावती शहर ही नहीं बल्कि समाजसेवा, सहकार क्षेत्र, मानवीय सेवा कार्य के साथ ही दिव्यांगों की मदद, बेघर निराधारों के लिए सदैव मानवता का दीपक जहां वे जलाते हैं, वहीं गरीब छात्रों की मदद करने तथा शिक्षा के क्षेत्र में सदैव योगदान देते हैं. उद्यमी,समाजसेवी के साथ ही मानवता प्रेमी समाजसेवी तथा पर्यावरण संतुलन के साथ ही मानवता के लिए जरूरी हर क्षेत्र में उनका कार्य देखकर उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया गया है. इसके लिए उनकी सर्वत्र सराहना की जा रही है.

ग्राम पंचायत कार्यालय,गोलाई

ता.धारणी ,जि. अमरावती

निविदा सूचना क्रमांक 1

या द्वारे ग्राम पंचायत ग़ोलाई,ता.धारणी,जि.अमरावती कडून खालील विविध कामासाठी जि.प.बांधकाम विभाग पंजीकृत कंत्राटदाराकडून बी-1 पद्धतीने लिफाफाबंद निविदा मागविण्यात येत आहे. कोरी निविदा ग्रा.पं.कार्यालय गोलाई कडून देण्यात येईल.

अनु. क्रमांक	योजनेचे नाव	क़ामाचे नाव	अंदाजित किंमत रू.(लाख)	बयाना रक्कम	क़ोरी निविदेची कीमत	कोरी निविदा मिळण्याचे दिनांक	निविदा उघडण्याचे दिनांक
1	ज़नसुविधा योजना सत्र 2025-26	स्मशान शेड बांधणे व पेविंग ब्लॉक बसविणे	10,000,00/-	10,000/-	500/-	08-01-2026 ते 14-01-2026	15-01-2025 ला कार्यालयीन वेळेत उघडण्यात येईल

अटी व शर्ती

1) निविदा ह्या दोन लिफाफा पद्धतीने टाकणे अनिवार्य राहील.
2) कामाचा 1 टक्के बयाना रक्कम चा डी.डी.सोबत जोडणे अनिवार्य राहील.
3) निविदा मंजूर/नामंजूर करण्याचे अंतिम अधिकार ग्राम पंचायत कार्यालयास राहील.

सरपंच/सचिव
ग्राम पंचायत
ग़ोलाई,ता.धारणी,जि.अमरावती.

गलती के पश्चाताप से होता है पापी मन भी हल्का

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी- की योग्यता रखते हुए मुझ जैसे चंडाल का स्पर्श करना उचित नही पाणी, पाद पुण्य कथा श्रवण, भगवदर्शन, हरिपादर्पित तुलसीपु क्योंकि तुम्हारा देह वेदात्मक है. तुम्हारे थोत्रा, नेत्र, नासपुट घ्राण, वेदाध्ययन, दान, तीर्थ यात्रादि सद्क्रियाओं से पवित्र बने आपके श्रोत्र प्रमखेंद्रीय दुष्कथा श्रवणादि दुष्क्रियाओं से अपवित्र हे जायेंगे. इसलिए तुम मेरे देह के साथ समागम को मत चाहो.कहते कोयल की बोली में कुंतला ने धर्म-शास्त्र-विवेक प्रकार से उसे समझाया ऐसी कुंतला को देखते हुए विह्वल होकर विप्र उसे पकड़ने की कोशिश करने पर वह भीति से रोने लगी. तब उसने दिग्देवताओं की देखकर 'यह ब्राह्मण पाप जाति वाली मुझे पाकर कुलहीन होकर नसू में जाने के लिए उद्युक्त हो रहा है. इसमें मेरा कोई दोष नहीं है. आप सभी ही इसके साक्षी हैं.' कहते दूर जानेवाली उसके पास जाकर विप्र ने इस रूप में कहा.

गृह शो 'हे भामा! बिना डर के सुनो. मेरा तप आज सफल हो गया इसलिए तुमको मैं देख सका. इसलिए मुझे क्षमा करके मुझे काम-मुल दो.कहने से भीति से उसने कहा- 'अकट ! हे ब्रह्मणोत्तम काम की चाहत से अनावश्यक तुम क्यों संकट में पड़ते हो? अपने जाकर स्वकीय पत्नी से काम सुख को प्राप्त करो. मुझे पकड़ने से हो होगा. क्यों मुझे चाहने लगे हो? तुमको अपभ्रम हो गया है. चांडाल के साथ संभोग हे पंडित! तुम्हारे लिए कैसे उचित है? ब्रह्मण कुल को तुम क्यों कलंकित कर रहे हो? दूर ही रहो. अहो विप्र! मुझे पकड़ने के कोशिश मत करो.' कहते वह पीछे जाने लगी. यह देखकर विप्र अपने कुल को भूलकर कामांध के बढ़ने से उस के समीप जाने लगा.

139 तब उस कुंतला ने उसे देखकर 'तुम्हारे जननी-जनक गुरु-देव समान ही मेरे पास मत आओ.' कहने से भी उसने उसे अनसुना करके उसे पकड़ कर पा लिया. तब कुंतला ने उसे देखकर हे विप्र ! तुम अब कुल भ्रष्ट हो गये हो. अब तुम यज्ञोपवीत का परित्याग करो. चंडाल बनकर मेरे साथ रहो.' कहने पर वह इसके लिए राजी होकर उसने कृष्णा नदी में जाकर स्नान किया. बाद में कुंतला का देहांत हो गया. तब माधव दुःखी होकर अकेला नदी के तट पर रहते हुए द्वादशाब्धों तक कुंतला के साथ काम भोग प्राप्त कर घूमता रहा. उसने मन में इस रूप में सोचा. उसने पश्चात पश्चाताप किया. गुरुत्तर ब्रह्मण कुल में जन्म लेकर काम वासना से चंडालिन के साथ रहकर मैने घोर पाप किया. अब पतित पावन श्रीहरि ही मेरी रथ कर सकते हैं.इस रूप में पश्चाताप करते समय,कुछ भक्त राजाग बैंकटादि की यात्रा पर जा रहे थे. उनके साथ वह भी गया. उनके भो करने के बाद बचा-कुचा जूठन को खाकर देहाभिमान और दंभ छोड़कर कपिल

तीर्थ पहुँच गया. शेषाचल से गिरनेवाले झरने को देख से नमस्कार किया. वहाँ जब राजाओं के द्वारा केश खंडन करते स्वयं भी केश खंडन करवा लिया. उनके द्वारा पिंड प्रदान करते उसने भी मिट्टी से पिंड प्रदान किया. उसके इस पिंड दान से उसके देवतागण तृप्त हुए. इसे सुनकर जनक ने शतानंद से इस रूप मे चंडाल कन्या से रहकर कुलहीन बनकर चुप रहने की जगह को में उसके पिंड दान करने से उसके पितृ देवतागण ने कैसे की संकार किया?' जवाब में शतानंद ने इस रूप में कहा. हे पने करित तीर्थ में पहले स्नान करने के पुण्य से उन्होंने पिंड दान कर मुक्ती प्रदान का उपाय बताया है. ज़ीवन में खुशियां लाने वाले गोविंदा की कृपा सभी पर बरसती रहे, यही कामना. ज़य गोविंदा

शेष अगले अंक में

राकांपा पैनल ने चुनाव प्रचार में लगाई ताकत

सेवाभावी और विकास का रखते हैं विजन, जनसेवा से रखते हैं सरोकार

अमरावती-अमरावती महानगर पालिका का इस बार का चुनाव पिछले चुनाव की तुलना में कई गुना अत्यधिक महत्वपूर्ण है. चुनाव में यद्यपि कई दलों के नेता नगरसेवक बनने के लिए भाग्य आजमा रहे हैं, लेकिन इस चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजीत पवार गुटके सभी चारों प्रत्याशी जहां अनुभवी दमदार और जनसेवा में कई वर्षों से जुड़े हुए हैं वहीं दूसरी ओर इन प्रत्याशियों को लेकर गडगडेश्वर प्रभाग क्रमांक 17 के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्प के साथ प्रयासरत है. पैनल के सभी सदस्य एक दूसरे के प्रति जहां पूरी तरह से समर्पित है वहीं इनकी हर सभाओं को भी जनता का भारी प्रतिशत मिल रहा है. प्रचार के मामले में यह अन्यों की तुलना में आगे निकल गया है. प्रभाग के सभी क्षेत्रों में इस पैनल को व्यापक साथ मिल रहा है.

राकांपा अजीत पवार गुट के प्रमुख अजीत पवार के नेतृत्व, विधायक संजय खोड़के, विधायक सुलभाताई खोड़के के मार्गदर्शन में क्षेत्र में विकास की गंगा बहाने का संकल्प चारों उम्मीदवारों ने किया है. प्रभाग में चुनाव मैदान में उतरे पैनल सदस्यों में सुमित चंदा सरकटे अनुसूचित जाति से अ से, ओबीसी से सरोज गोपाल चिखलकर, महिलाओं की खुला प्रवर्ग से शारदा आशीष कपले

तथा खुला प्रवर्ग से उच्च विद्या विभूषित और पिछले तीन दशकों से प्रभावी की जनता की सेवा में लगे रहने वाले पर प्रा.डा. अजय बोंडे चुनाव मैदान में उतरे हैं.

पैनल के सभी प्रत्याशी हैं

दमदार-यह पैनल केवल नामों का समूह नहीं, बल्कि संकल्प, संघर्ष और सेवा का सशक्त संगम है। पैनल की सभी प्रत्याशी अपने-अपने क्षेत्र में मेहनती, ईमानदार और जनसमर्पित छवि रखती हैं। समाज की समस्याओं को नज़दीक से समझने वाली ये प्रत्याशी केवल वादों की नहीं, बल्कि काम करके दिखाने की पहचान रखती हैं.महिलाओं, युवाओं, किसानों और आम नागरिकों की आवाज़ को मजबूती से उठाने का जज़्बा इनमें साफ़ झलकता है. पारदर्शिता, विकास और सामाजिक न्याय इनके एजेंडे का मूल आधार है. अनुभव और ऊर्जा का संतुलन इस पैनल की सबसे बड़ी ताकत है.निस्संदेह, पैनल की सभी प्रत्याशी दमदार हैं और जनविश्वास पर खरा उतरने की पूरी क्षमता रखती हैं.

डॉ.बोंडे का व्यापक संपर्क

राकांपा पैनल के दमदार प्रत्याशी के रूप में डॉ. अजय बोंडे का व्यापक संपर्क निश्चित ही पूरे पैनल को व्यापक प्रतिसाद दिला रहा है. विभिन्न क्षेत्रों में पदयात्राओं के साथ ही कार्नर सभाओं में भी बड़ी संख्या में लोग उमड़ रहे हैं. उनके मुताबिक प्रभाग में विकास की अपार गुंजाईश है. ऐसे में सभी मतदाताओं को विकास का विजन रखने वाले तथा प्रभाग की हर समस्या से वाकिफ उम्मीदवारों को महत्व देना चाहिए. दोनों विधायक मार्गदर्शक रहने के कारण क्षेत्र में विकास के लिए निधि की कमी नहीं पड़ने देने की बात भी कही. उनके मुताबिक लोगों से जिस तरह से साथ मिल रहा, उससे जीत को लेकर आश्वस्त हैं.

श्री पंचकृष्ण गोरक्षण का भक्तिमय कार्यक्रम

गोसंवर्धन के महत्व पर डाला गया प्रकाश

विदर्भ स्वाभिमान, 7 जनवरी

अमरावती- श्री पंचकृष्ण गोरक्षण व चैरिटेबल ट्रस्ट, चिंचखेड की ओर से आयोजित श्री पंचवतार उपहार महोत्सव एवं अभिष्टचिंतन समारोह अत्यंत भक्तिभाव और बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ. इस अवसर पर संपूर्ण परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर वं हो गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता न प.पू.प.म. श्री बिडकर बाबा ने की, जबकि सत्कारमूर्ति के रूप में अखिल न भारतीय महानुभाव परिषद के अध्यक्ष प.पू.प.म. श्री करंजकर बाबा उपस्थित रहे. इसके साथ ही प.पू.प.म. श्री पुसदेकर बाबा की प्रमुख उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई. समाजसेवक चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया क सहित सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र के 5 अनेक गणमान्य अतिथि बड़ी संख्या में उपस्थित थे.उद्घाटन श्री करंजकर बाबा के शुभहस्ते संपन्न हुआ. इस अवसर पर मान्यवरों के हाथों अभिष्टचिंतन, सत्कार एवं धार्मिक विधियां संपन्न की गईं. संत महंतों ने अपने प्रवचनों के माध्यम से सदाचार, गोसंवर्धन, सेवा और भक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला. पंचवतार उपहार महोत्सव का लाभ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लिया. कार्यक्रम के दौरान भक्तों में विशेष उत्साह देखा गया.कार्यक्रम के समापन अवसर पर अखिल भारतीय महानुभाव पंथ के अध्यक्ष करंजकर महाराज ने सभी उपस्थित श्रद्धालुओं एवं आयोजकों का आभार व्यक्त किया तथा समाजसेवा में सक्रिय चंद्रकमार जाजोदिया उर्फ लप्पीभैया को आर्शीर्वाद देते हुए गोसेवा इसी प्रकार निरंतर जारी रखने की कामना की.लप्पीभैया ने भी अपने भाषण में सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए समाज के साथ निरंतर जड़ाव बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया. सफलतार्थ गोरक्षण ट्रस्ट के अध्यक्ष शंतनु इंगोले सहित समस्त ट्रस्टी, पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवकों ने विशेष परिश्रम किया. कार्यक्रम के अंत में आयोजकों की ओर से संदीप जुनघरे, अमोल ठाकरे, सचिन गावंडे, अभिजीत कालबांडे, वैभव मोंढे, हर्षद अडसोड, निखिल बुरघाटे, ऋषिकेश चांगोले, प्रणव धसकट, अक्षय इंगोले, अमोल इंगोले, प्रतीक इंगोले सहित सभी मान्यवरों एवं भाविकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया.

विकास,सेवा,सामाजिकता की संगम है युवा स्वाभिमान पार्टी

हर कार्यकर्ता सेवाभाव से ओतप्रोत, राणा परिवार का रहा है सेवा का इतिहास,भारी प्रतिसाद

अमरावती- युवा स्वाभिमानी स्वराज्य संगठन की स्थापना से अमरावती शहर तथा जिले के विकास के साथ ही शहर विकास में भूमिका निभाने वाले अमरावती शहर की राजनीति में युवा नेतृत्व के रूप में विधायक रवि राणा और सुनील राणा की जोड़ी ने युवा स्वाभिमान को राजनीतिक पार्टी की बजाय सेवाभावी संगठन के रूप में आज जिस तरह से लोकप्रियता हासिल की है, वह अन्यों के लिए उदाहरण बनी है. विधायक रवि राणा के साथ ही मार्गदर्शक सुनील राणा स्वयं भी सेवा को अत्याधिक महत्व देते हैं. युवा स्वाभिमान पार्टी को अपार लोकप्रिय बनाने के साथ सभी कार्यकर्ताओं के लिए बड़े भाई की भूमिका में रहने वाले पार्टी के मार्गदर्शक सुनील राणा को पर्दे के पीछे का नायक कहना गलत नहीं होगा. पार्टी की स्थापना से लेकर छोटे भाई रवि राणा और पूर्व सांसद नवनीत राणा के कदम से कदम मिलाते हुए उन्होंने जहां पूरे जिले में पार्टी को मजबूत किया वहीं आज भी दोनों की अनुपस्थिति में कार्यकर्ता के दुख दर्द के साथ शहर तथा जिले के विकास के लिए जिस तरह से उनमें समर्पण दिखाई देता है वह अपने आप में किसी समर्पण से कम नहीं है.लोकतंत्र की सशक्तता तभी संभव है जब युवा स्वाभिमान पार्टी जैसी सकारात्मक सोच के साथ जनसेवा के लिए तत्पर रहें. जो पार्टी जनसेवा को अपना प्रथम लक्ष्य बनाती है, वही वास्तव में जनता का विश्वास अर्जित करती है. जन सेवा में तत्पर युवा स्वाभिमान पार्टी केवल चुनावी वादों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़ी रहती है.ऐसी पार्टी का मूल मंत्र होता है सेवा, संवेदना और समर्पण. किसान, मजदूर, महिला, युवा, वरिष्ठ नागरिक समाज का कोई भी वर्ग उसकी नजर से ओझल नहीं रहता. किसानों की समस्याओं के समाधान, युवाओं के रोजगार के अवसर, महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण, तथा गरीबों के लिए स्वास्थ्य व शिक्षा की सुविधाएँ इन सभी क्षेत्रों में यह पार्टी सक्रिय भूमिका निभाती है.

हिंदीभाषी समाज है राज्य में भाजपा के साथ-कृपाशंकर सिंह

मुंबई- महाराष्ट्र भाजपा के उपाध्यक्ष कृपाशंकर सिंह ने कहा है कि आज पूरे महाराष्ट्र का हिंदीभाषी समाज भारतीय जनता पार्टी के साथ है. महाराष्ट्र के लगभग सभी महानगरपालिका क्षेत्रों में हिंदीभाषियों की संख्या निर्णायक है. इसलिए सभी 29 महानगरपालिकाओं में इस बार भाजपानीत महायुति का ही महापौर बनेगा. उनके मुताबिक सभी हिंदीभाषी भाजपा के साथ हैं और पार्टी को विजयी बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं. महानगरपालिका चुनावों के दौर में मुंबई की हिंदीभाषी राजनीति का चिरपरिचित चेहरा कृपाशंकर सिंह बृहन्मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में संख्याबल के आधार पर हिंदीभाषियों की ताकत बताते हुए कहते हैं कि मुंबई-ठाणे-नई मुंबई-मीराभायंदर और कल्याण डोंबीवली मिलाकर हिंदीभाषियों की संख्या डेढ़ करोड़ से अधिक है. इनमें करीब 40 प्रतिशत आबादी हिंदीभाषी राज्यों से आए लोगों की है. इस पकार डेढ़ करोड़ की आबादी में लगभग 60 लाख हिंदीभाषी किसी भी चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाते हैं. स्थानीय निकाय चुनाव के नतीजे चौकाने वाले रहने का दावा भी पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने किया.

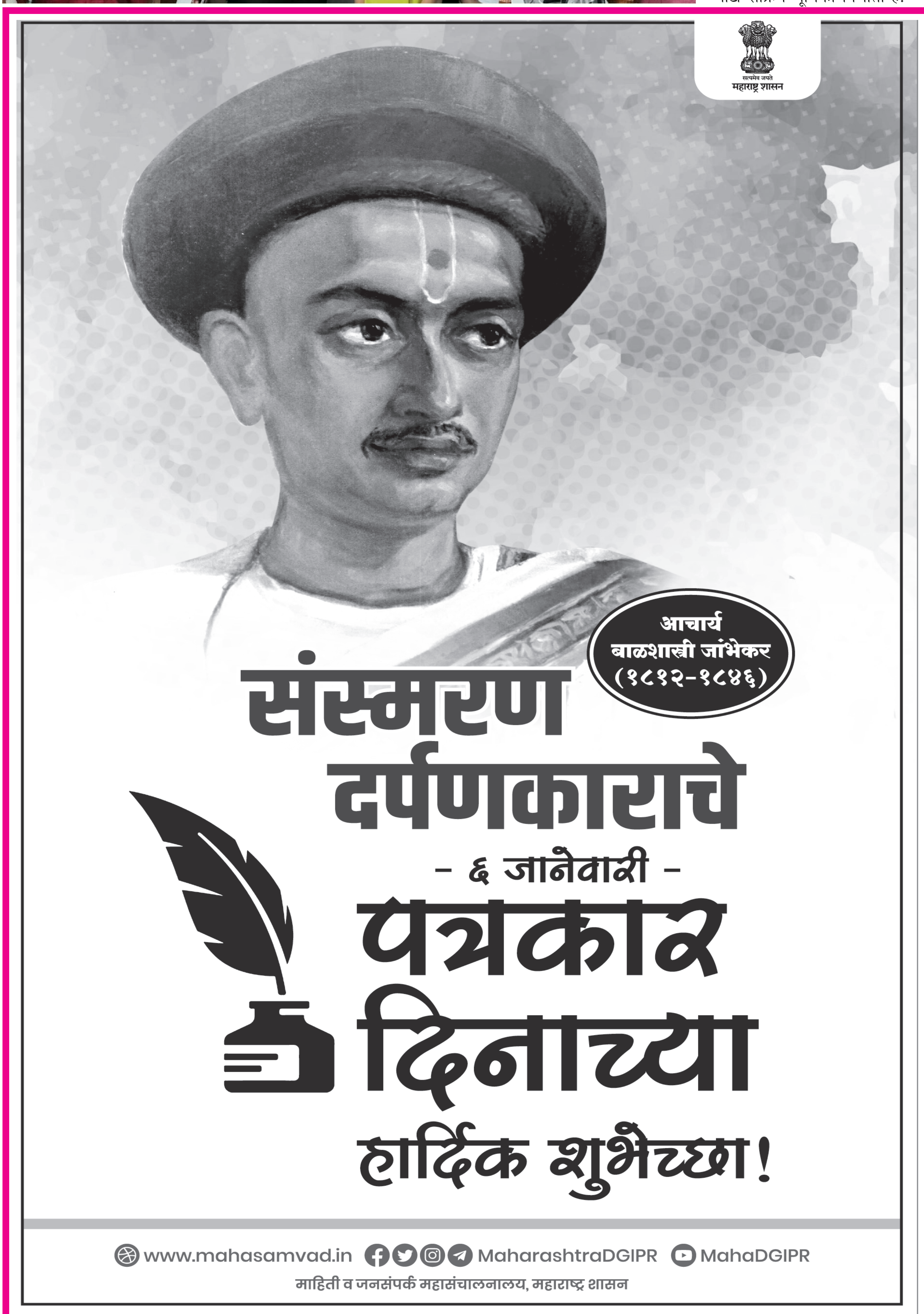

डॉ.अजय बोंडे का सत्कार

बडनेरा- समाजसेवी, आदर्श शिक्षक प्रा.डॉ.अजय बोंडे और सौ. हर्षना बोंडे का अभिनंदन बैंक के प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष समाजसेवी सुदर्शन गांगजी के निवास पर सत्कार किया गया. मौके पर बहू सौ. गांग तथा परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे. बोंडे दम्पति ने उनका आशिर्वाद लिया. गत वर्ष के इस यादगार पल का नजारा.

खल्लार बालाजी मंदिर में 20 से श्रीराम कथा

बडनेरा-शहर से 21 किलोमीटर की दूरी पर स्थित और जागृत तीर्थक्षेत्र खल्लार बालाजी मंदिर में नववर्ष के उपलक्ष्य में 20 जनवरी से श्रीराम कथा सप्ताह का आयोजन किया गया है. कथा की तैयारियां ग्रामवासियों द्वारा की जा रही है. स्वयं भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के चरणों से पावन हुए इस मंदिर में सालभर भक्त दर्शनार्थ पहुंचते हैं. इसमें सुख्यात श्रीरामचरित मानस मर्मज्ञ प्रमोद महाराज जोशी भक्तों को श्रीराम कथा सुनाएंगे. इस उपलक्ष्य में 18 जनवरी को अंबादेवी तथा श्री एकवीरा देवी संस्थान गौरक्षण अमरावती से पदयात्रा श्री बालाजी संस्थान खल्लार बालाजी निकलेगी. इसमें भी भक्तों से बड़ी संख्या में शामिल होने तथा पुण्यलाभ प्राप्त करने का आग्रह संस्थान पदाधिकारियों ने किया है-खल्लार बालाजी का यह मंदिर 700 साल पुराना है और यहां निकली मूर्ति कुएं से निकली है. बुजुर्ग बताते हैं कि यह मंदिर प्राचीन रहने के साथ ही जागृत भी है. यहां पर न केवल अमरावती शहर या जिला बल्कि विदर्भभर से गोविंदा के भक्त आते हैं. सालभर यहां पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है.

अंध विद्यालय अमरावती में वार्षिक स्नेह सम्मेलन

चार दिवसीय सम्मेलन में छात्रों की प्रतिभा देख अतिथि मुग्ध

विदर्भ स्वाभिमान, 7 जनवरी

अमरावती-ब्लाइंड वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा संचालित डॉ. नरेंद्र भिवापूरकर अंध विद्यालय और आश्रित अंध कर्मशाला, अमरावती का वार्षिक स्नेह सम्मेलन 4 से 6 जनवरी तक आयोजित किया गया- अंधलिपि के जनक लुई ब्रेल की जयंती के अवसर पर दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के कलागुणों को प्रोत्साहित करने और उनकी छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम हुआ-

कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग की प्रादेशिक उपायुक्त माया केदार,लुई ब्रेल की प्रतिमा पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ संपन्न हुआ- अध्यक्षता प्रसिद्ध उद्यमी राजेश गेही ने की- मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतीक गिरी, अतुल कुकरेजा, नंदलाल गेही और विशेष अतिथि डॉ.चंदू सोजतिया उपस्थित थे- मंच पर संस्था के अध्यक्ष प्रवीण मालपाणी, सचिव एड. प्रदीप श्रीवास्तव, कार्यकारिणी सदस्य आर. एम. अमृते, संस्था के सलाहकार रतन कांबले, विद्यालय के प्रधानाचार्य एन. एस. इंगोले और प्रबंधक पंकज मुदगल उपस्थित थे-

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने लुई ब्रेल के जीवन पर प्रकाश डाला, राजस्थान में हाल ही में हुई 14वीं राष्ट्रीय पॅराऑलंपिक जुडो प्रतियोगिता में पुरस्कार विजेताओं का सम्मान किया गया- प्रास्ताविक वक्तव्य सचिव एड. प्रदीप श्रीवास्तव, संचालन अश्विनी सरोदे और आभार प्रदर्शन एन. एस. इंगोले ने किया- इसके बाद विद्यार्थियों के विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए- यह कार्यक्रम 6 जनवरी तक चलेगा- संस्था की ओर से आम जनता से अपील की गई है कि वे इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लें और दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें- मौरे पर वर्तमान व पूर्व शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित थे- सभी शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थियों के प्रयासों से यह कार्यक्रम भव्य और सफलतापूर्ण संपन्न हुआ-

गुरूवार 08 से 15 ज़नवरी 2026 तक का भविष्य

मेष-मेष राशि के लोग आम तौर पर बहुत चतुर स्वभाव के होते हैं. इनकी खासियत यह है कि ये बहुत जोशीले और जिद्दी स्वभाव वाले तथा अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाले होते हैं. किसी बात को तब तक नहीं स्वीकार करते हैं, जब तक इनका खुद का नुकसान नहीं हो रहा हो. नया साल भाग्यदायी साबित हो सकता है.

वृषभ-यह सप्ताह भागदौड़ से भरा रहेगा. आपका मन अशांत रहेगा. स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ी डील हाथ से निकल सकती है. परिवार में किसी अपने का दुखद समाचार प्राप्त होगा. पत्नी से मतभेद हो सकते हैं.

मिथुन-थोड़ी सी मेहनत भी आपको कामयाबी दिला सकती है. रिश्तों में विवाद टाले. अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का पूरा फायदा मिलने वाला है.

कर्क-दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ाने से बचें . आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है. वाहन चलाते समय सावधानी बरतना उचित रहेगा. किसी से भी नाहक के विवाद से बचने का प्रयास लाभदायी होगा.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. सप्ताह में माता-पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. उन्हें खुश रखने का बेहतरीन फल प्राप्त हो सकता है. परिवार में किसी से विवाद से बचना श्रेयस्कर होगा.

तुला-घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है. सप्ताह बेहतरीन है. समुचित मेहनत आपको इच्छा पूर्ति करने में कामयाबी दिला सकती है.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी है. छात्रों के लिए पढ़ाई का बेहतरीन मौका है. स्पर्धा परीक्षा में सफलता के योग हैं.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं. परिवार में किसी के साथ मनमुटाव से बचें . आपका भाग्य चमक सकता है.

मकर-घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ-सप्ताह बेहतरीन रहने वाला है. मेहनत और समझदारी जरूरी है. स्वास्थ्य के मामले में ध्यान देना जरूरी है. इस सप्ताह प्रभु की कृपा से बड़ा काम हो सकता है. किसी से नाहक विवाद करने से बचें. अपने काम पर ध्यान देकर बेहतरीन करने का प्रयास करें. सप्ताह आपके लिए अत्याधिक फलदायी है.काम बनने और लोगों का सहयोग मिलेगा.

बहिरम मेले में हजारों भक्त उमड़े, टूट रहा है रविवार को रिकार्ड

विदर्भ स्वाभिमान, 7 जनवरी

अमरावती- चांदूर बाजार तहसील के बहिरम यात्रा में रविवार को रिकार्ड भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी है. इस दिन जिले के साथ ही विदर्भ तथा पड़ोसी मध्य प्रदेश से भी रोड़गा, बैगन की सब्जी के साथ ही हजारों भक्त एक ही दिन पहुंचे और पुलिस तथा प्रशासन द्वारा यहां पर बेहतरीन व्यवस्था की जा रही है.

नववर्ष के पहले रविवार को सातपुड़ा की गोद में स्थित बहिरम बाबा की यात्रा में श्रद्धालुओं की रिकार्ड भीड़ उमड़ पड़ी- मंदिर परिसर में दिनभर भक्तों की आवाजाही रहने के साथ ही विदर्भ सहित महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों से हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे- प्राकृतिक सौंदर्य,आस्था और परंपरा के संगम के कारण इस यात्रा का विशेष महत्व है- नववर्ष का पहला रविवार होने से इस वर्ष भीड़ ने रिकॉर्ड स्तर छू लिया- भारी भीड़ के मद्देनजर पुलिस बंदोबस्त और यातायात नियंत्रण की पुख्ता व्यवस्था रहने की जानकारी थाना प्रभारी महेंद्र गवई ने दी.

पारंपरिक व्यंजन बने आकर्षण

बहिरम यात्रा की खास पहचान यहां के पारंपरिक व्यंजन हैं- रोडगे बैंगन की सब्ज़ी का स्वाद लेने श्रद्धालु विशेष रूप से आते हैं- वहीं मिट्टी की हांडी में मटन भी प्रमुख आकर्षण रहा- अस्थायी होटलों पर दिनभर भीड़ देखी गई- पूजन सामग्री, खिलौने, मिठाइयां और घरेलू सामान की दुकानों पर श्रद्धालुओं की खासी भीड़ रही- बच्चों के खिलौनों की दुकानों के पास विशेष चहल-पहल दिखी.

मंदिर की सीढ़ियों पर हाल में लगाए गए चिकने मार्बल के कारण फिसलन की शिकायतें सामने आईं- बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को आवागमन में दिक्कत हुई- श्रद्धालुओं ने एंटी-स्किड उपाय करने की मांग की है-आस्था, परंपरा और प्रकृति का संगम

सातपुड़ा की गोद में बसे इस तीर्थ का मनोहारी वातावरण श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है- बहिरम यात्रा केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक परंपरा के रूप में भी अपनी पहचान रखती है-

पथनाट्य के माध्यम से मतदाता जागृति

विदर्भ स्वाभिमान, 7 जनवरी

अमरावती- महानगरपालिका के स्वीप उपक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता बढ़ाने के लिए पथनाट्य कार्यक्रम आयोजित किए गए. वडाली, यशोदा नगर, उत्तम नगर, चैतन्य कॉलनी, साईनगर और विलास नगर में आयोजित इस कार्यक्रम में नागरिकों, विशेषकर नव मतदाताओं, को मतदान के महत्व, कर्तव्य और सही उम्मीदवार चुनने के तरीकों पर जानकारी दी गई.

कार्यक्रम के दौरान नव मतदाताओं ने उत्साह दिखाया और उन्हें मतदान की शपथ लेने का अवसर भी दिया गया. महानगरपालिका आयुक्त सौम्या शर्मा चांडक ने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी प्रलोभन में न आएं और विवेकपूर्ण निर्णय लें. स्वीप के इस प्रयास से नागरिकों में मतदान के प्रति जागरूकता और सकारात्मक दृष्टिकोण पैदा हुआ है, जिससे आगामी चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने में मदद मिलेगी.मनपा आयुक्त सौम्या शर्मा चांडक के कुश नेतृत्व में मनपा प्रशासन के साथ पुलिस प्रशासन भी मनपा चुनाव बेहतरीन तरीके से सम्पन्न कराने तत्पर है.

विकास का वादा, सचिन दादा से गूंजा क्षेत्र

सचिन भेंडे के चुनाव प्रचार का भव्य शुभारंभ

पूर्व सांसद नवनीत राणा ने साई मंदिर में नारियल फोड़कर किया प्रचार का आगाज

अमरावती- अमरावती महानगरपालिका चुनाव की सरगर्मी के बीच वार्ड क्रमांक 19, साईनगर में युवा स्वाभिमान पार्टी के उम्मीदवारों के प्रचार का भव्य और उत्साहपूर्ण शुभारंभ रविवार को हुआ.प्रचार में सबसे आगे जहां वे निकल गए हैं, वहीं विकास का वादा सचिन दादा का नारा क्षेत्र में बुलंद हो रहा है. युवा स्वाभिमान पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार तथा पाना चुनाव चिन्ह पर मैदान में उतरे सचिन ओंकारराव भेंडे, उदय गुलाब पर्वतकर तथा पार्टी समर्थित उम्मीदवार गौरी अमोल इंगले (चुनाव चिन्ह सीटी) और सरिता सौरभ मालानी के प्रचार का नारियल पूर्व सांसद नवनीत रवी राणा के हाथों साईनगर स्थित साई मंदिर में जनता की उपस्थिति में फोड़ा गया.

इस अवसर पर वार्ड के हजारों नागरिकों ने बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर तीनों उम्मीदवारों को उत्साहपूर्ण समर्थन और आशीर्वाद दिया. साई मंदिर परिसर युवा स्वाभिमान पार्टी जिंदाबाद और पत्ता पत्ता, विकास का रास्ता जैसे नारों से गूंज उठा. प्रचार की शुरुआत में पूर्व सांसद नवनीत राणा ने महाआरती की और साईबाबा के चरणों में प्रार्थना कर उम्मीदवारों की विजय की कामना की. उन्होंने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि विधायक रवी राणा के नेतृत्व में वार्ड को विकास की ठोस दिशा मिली है और उसे आगे बढ़ाने के लिए युवा स्वाभिमान पार्टी के उम्मीदवार पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं.

उम्मीदवार सचिन भेंडे, उदय पर्वतकर और गौरी इंगले ने भी नागरिकों से संवाद करते हुए वार्ड में बुनियादी सुविधाएं, सड़कें, जलापूर्ति, स्वच्छता तथा महिला और युवाओं के लिए रोजगारोन्मुखी योजनाओं को प्राथमिकता देने का संकल्प व्यक्त किया.उन्होंने कहा-जनता का विश्वास और आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है. इस कार्यक्रम के साथ वार्ड क्रमांक 19, साईनगर में युवा स्वाभिमान पार्टी के आक्रामक प्रचार का औपचारिक शुभारंभ हो गया है और पूरे वार्ड में अब पत्ता पत्ता विधायक रवी राणा के सर्वांगीण विकास का रास्ता यह नारा गूंजने लगा है.भेंडे के साथ सभी को प्रतिसाद मिल रहा.सर्वत्र लोग उमड़ रहे हैं.

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क

9423426199/8855019189

संघर्षशील नेतृत्व हैं शिवसेना उबाठा नेता प्रकाश मारोटकर

नांदगांव खंडेश्वर के सर्वांगीण विकास का रखते हैं सदा विजन,लोगों के प्रेम को मानते हैं अपनी ताकत

विदर्भ स्वाभिमान, 7 जनवरी

नांदगांव खंडेश्वर-संघर्षशील युवा नेता प्रकाश मारोटकर जीवन की कठिन परिस्थितियों से गुजरकर स्वयं को निखारा है. आर्थिक अभाव, सामाजिक उपेक्षा या संसाधनों की कमी ये सब उसके संकल्प को कमजोर नहीं करते, बल्कि उसे और मजबूत बनाते हैं. संघर्ष उसे जमीन से जोड़कर रखता है, जिससे वह आमजन की पीड़ा को न केवल समझते हैं,बल्कि उसे दूर करने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं.

वहीं, सुशीलता युवा नेतृत्व को नैतिक ऊँचाई प्रदान करती है. विनम्रता, संयम, शालीन व्यवहार और सभी के प्रति सम्मान ये गुण उसे भीड़ से अलग पहचान देते हैं. सुशील नेता विरोधियों के प्रति भी मर्यादा बनाए रखते हैं. उनका मानना है कि मतभेद होना चाहिए लेकिन मनभेद कभी नहीं होना चाहिए.

युवा नेतृत्व को प्रकाश मारोटकर को दूरदर्शी बनाता है. ऐसा नेता केवल आज की समस्याओं का समाधान नहीं करता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी सशक्त आधार तैयार करता है. वह विकास, समानता और सामाजिक समरसता को अपना लक्ष्य मानकर आगे बढ़ते है.निस्संदेह, संघर्षशील और सुशील युवा नेतृत्व के रूप में प्रकाश मारोटकर ने जहां विभिन्न जन समस्याओं को उठाते हुए उनका निराकरण किया वहीं शहर में शिवसेना उबाठा के मजबूत स्तंभ के रूप में पार्टी मजबूती के लिए सदा प्रयास किया. हजारों युवाओं का साथ जहां उन्हें मिला वहीं दूसरी ओर अपने विनम्रता और जनता के हित के लिए आक्रामक होने वाले युवा नेता के रूप में न केवल नादगांव खंडेश्वर बल्कि अमरावती जिले तथा विदर्भ स्तर पर जुझारू युवा नेता के रूप में पहचान बनाई है. उनके कार्यों का ही यह प्रमाण है कि आज प्राप्ति मारोटकर ने नगराध्यक्ष का चुनाव जीतकर नगर पंचायत की कार्यप्रणाली सुधारने के लिए धडाकेबाज काम शुरू किया है.**बोले तैसा चाले-** वर्तमान में नेताओं को लेकर लोगों में भारी नाराजी है लेकिन प्रकाश मारोटकर जो बोलते हैं वैसे ही करते हैं उनकी इस खूबी के कारण लोगों का अपार प्रेम और विश्वास हासिल करने में सफल रहे हैं. नव वर्ष पर उन्होंने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए शहर के सर्वांगीण विकास का भरोसा दिलाया है. निष्ठावान शिव सैनिक के रूप में उनके प्रति जहां कार्यकर्ताओं में अपार सम्मान है वही पार्टी प्रमुख उद्धवराव ठाकरे तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं ने कई मौके पर पार्टी की मजबूती तथा जनता के प्रति उनके समर्पण की सराहना की है. लोगों के प्यार को अपनी सबसे बड़ी ताकत मानते हैं और कहते हैं कि इसलिए वह लोगों के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं. तहसील में जनता किसानों तथा अन्य पीड़ितों के लिए सबसे अधिक आंदोलन करने का रिकॉर्ड भी उनके नाम पर ही दर्ज है.

प्रभाग का सर्वांगीण विकास ही रहेगा हमारा सपना

प्रा.डॉ.अजय बों डे का साक्षात्कार, प्रभाग की हर समस्या को करीब से जानता हूं, मिलकर निपटाएंगे

विदर्भ स्वाभिमान, 7 ज़नवरी

अमरावती - जीवन में प्रभु ने सभी कुछ दिया है. माता-पिता के आदर्श संस्कार तथा राजनीति में सेवा के माध्यम को प्राथमिकता देते हुए उतरा हूं. पिछले चार वर्षों से प्रभाग की समस्या को करीब से देखा है. छात्रों के निःशुल्क मार्गदर्शन के साथ ही गरीब बच्चों की मदद के साथ प्रभाग में हर व्यक्ति के सुख-दुख में पहुंचने का प्रयास रहता है. राजनीति व्यवसाय नहीं बल्कि मेरे लिए सेवा का माध्यम है. प्रभाग के सर्वां गीण विकास के लिए जनता द्वारा मौका देने पर विजन के साथ ही दोनों विधायक व मार्गदर्शक संजय खोड़के तथा सौ. सुलभाताई खोड़के से निधि लाकर प्रभाग का विकास करने का प्रयास रहेगा. इस आशय की बात गड़गड़ेश्वर प्रभाग से मैदान में उतरे राकांपा पैनल के प्रा.डॉ. अजय बों डे ने किया.

उनके मुताबिक राजनीति में उनके प्रवेश को लेकर उनकी सादगी को लेकर सवाल किया जाता है. उनके मुताबिक जीवन में अच्छे की चाहत में अच्छों का साथ जब तक हम नहीं देते हैं तब तक व्यवस्था नहीं बदल सकती है. उनका प्रयास है कि राजनीति में अच्छे लोगों को मौका देने का सबसे बड़ा अधिकार जनता के हाथ में रहताहै. सही मतदान ही शहर का विकास तय करता है.

बचपन से संघर्ष देखने वाले तथा माता-पिता के संस्कार के साथ आदर्श विचारों में पले-बढ़े प्रा.बोंडे के मुताबिक लोगों का जिस तरह से उन्हें सहयोग और अपनापन मिल रहा है, उससे वे भी गदगद हैं. जहां भी जा रहे हैं, लोगों द्वारा स्वागत किया जा रहा है, पैनल का समर्थन किया जा रहा है. राजनीति में हार-जीत ही सब कुछ नहीं होती है. लेकिन हमारा

विदर्भ स्वाभिमान

प्रा.डॉ.अजय बोंडे

साक्षात्कार

व्यक्तित्व इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. उनके मुताबिक विकासप्रिय नेता वह होता है जो केवल वादों में नहीं, बल्कि कर्मों में विश्वास रखता है. लोगों द्वारा सेवा का मौका मिलने पर गड़गड़ेश्वर प्रभाग विकास के लिए शहर में स्वतंत्र स्थान बनाएगा. उनकी राजनीति का केंद्र जनता की जरूरतें, युवाओं के सपने और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होता है. शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, कृषि और बुनियादी सुविधाओं के लिए वह निरंतर प्रयासरत रहता है. वे वर्षों से सामाजिक, राजनीतिक, खेल तथा धार्मिकता के क्षेत्र में सेवारत हैं. ऐसे में प्राप्त अनुभव का उपयोग करेंगे. नई सोच, आधुनिक तकनीक और पारदर्शिता के साथ काम करने में विश्वास करते हैं. वह युवाओं को अवसर देने, किसानों को सशक्त बनाने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचाने का संकल्प रखते हैं.संवाद, संघर्ष और समर्पण उसकी पहचान होते हैं. प्रभाग के हर नगर,कालोनी में मित्र परिवार है, ऐसे में उन्हें प्रभाग में अधिक परेशानी नहीं हो रही है. युवाओं के साथ महिलाओं का साथ उन्हें मिल रहा है. वे मानते हैं कि किसी भी क्षेत्र में काम करने के लिए अध्ययन जरूरी है. इसीलिए पांच साल से वे प्रभाग की समस्याओं का बारीकी से अध्ययन कर रहे थे. विकासप्रिय नेता न जाति धर्म की राजनीति करता है, न ही व्यक्तिगत स्वार्थ देखता है. उसका एक ही लक्ष्य होता है क्षेत्र का सतत विकास और जनता का विश्वास. यही सोच उसे जन-जन का नेता बनाती है. लोगों के विश्वास को बढ़ाने और प्रभाग में विकास की गंगा बहाने का संकल्प उन्हों ने सहयोगियों के साथ मिलकर जताया.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

परमार्थ ही साथ जाता है

जीवन में जो लोग केवल अपने लिए जीते हैं, उनकी तुलना पशुओं से की गई है. लेकिन जो स्वयं के साथ ही परमार्थ के लिए जीते हैं, उनका जीवन आदर्श रहता है. सदा अच्छी सोच के साथ परमार्थ का प्रयास करें.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्‌चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी. शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य 1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर

9881388450